۞ فَمَا لَكُمْ فِي ٱلْمُنَٰفِقِينَ فِئَتَيْنِ وَٱللَّهُ أَرْكَسَهُم بِمَا
كَسَبُوٓاْ ۚ أَتُرِيدُونَ أَن تَهْدُواْ مَنْ أَضَلَّ ٱللَّهُ ۖ وَمَن يُضْلِلِ ٱللَّهُ
فَلَن تَجِدَ لَهُۥ سَبِيلًا ﴿٨٨﴾ وَدُّواْ لَوْ تَكْفُرُونَ كَمَا كَفَرُواْ
فَتَكُونُونَ سَوَآءً ۖ فَلَا تَتَّخِذُواْ مِنْهُمْ أَوْلِيَآءَ حَتَّىٰ يُهَاجِرُواْ فِي
سَبِيلِ ٱللَّهِ ۚ فَإِن تَوَلَّوْاْ فَخُذُوهُمْ وَٱقْتُلُوهُمْ حَيْثُ وَجَدتُّمُوهُمْ ۖ
وَلَا تَتَّخِذُواْ مِنْهُمْ وَلِيًّا وَلَا نَصِيرًا ﴿٨٩﴾ إِلَّا ٱلَّذِينَ يَصِلُونَ إِلَىٰ
قَوْمٍ بَيْنَكُمْ وَبَيْنَهُم مِّيثَٰقٌ أَوْ جَآءُوكُمْ حَصِرَتْ صُدُورُهُمْ
أَن يُقَٰتِلُوكُمْ أَوْ يُقَٰتِلُواْ قَوْمَهُمْ ۚ وَلَوْ شَآءَ ٱللَّهُ لَسَلَّطَهُمْ
عَلَيْكُمْ فَلَقَٰتَلُوكُمْ ۚ فَإِنِ ٱعْتَزَلُوكُمْ فَلَمْ يُقَٰتِلُوكُمْ وَأَلْقَوْاْ
إِلَيْكُمُ ٱلسَّلَمَ فَمَا جَعَلَ ٱللَّهُ لَكُمْ عَلَيْهِمْ سَبِيلًا ﴿٩٠﴾
سَتَجِدُونَ ءَاخَرِينَ يُرِيدُونَ أَن يَأْمَنُوكُمْ وَيَأْمَنُواْ قَوْمَهُمْ
كُلَّ مَا رُدُّوٓاْ إِلَى ٱلْفِتْنَةِ أُرْكِسُواْ فِيهَا ۚ فَإِن لَّمْ يَعْتَزِلُوكُمْ
وَيُلْقُوٓاْ إِلَيْكُمُ ٱلسَّلَمَ وَيَكُفُّوٓاْ أَيْدِيَهُمْ فَخُذُوهُمْ
وَٱقْتُلُوهُمْ حَيْثُ ثَقِفْتُمُوهُمْ ۚ وَأُوْلَٰٓئِكُمْ جَعَلْنَا لَكُمْ
عَلَيْهِمْ سُلْطَٰنًا مُّبِينًا ﴿٩١﴾

Theme	
Fight against hypocrisy and hypocrites.	निफ़ाक़ और मुनाफ़िक़ीन के ख़िलाफ़ जद्दोजहद करो।
Tarjumani	
What is the matter with you, why are you divided into two groups	फिर यह तुम्हें क्या हो गया है कि

concerning the hypocrites, while Allah has cast them back to disbelief on account of their misdeeds? Do you wish to guide those, whom Allah has left to stray? Whomever Allah has left astray, you cannot find a way for them to be guided. Their real wish is to see that you become a disbeliever, as they themselves have disbelieved, so that you may become equal to them. So, you should not take friends from their ranks unless they immigrate in the way of Allah; and if they do not, seize them and kill them wherever you find them, and do not take any of them as protectors or helpers. The exception to this is for those who take refuge with your allies or come over to you because their hearts restrain them both from fighting against you and from fighting against their own people. If Allah had wanted, He would have given them power over you and they might easily have fought against you; therefore, if they withdraw from you and cease their hostility and offer you peace, in that case Allah has not granted you permission to You will find other fight against them.) hypocrites who wish to be safe from you as well as from their own people; but who would plunge into mischief whenever they get an opportunity. Therefore, if they do not keep	मुनाफ़िकीन के बारे में तुम्हारे दरमियान दो रायें पाई जाती हैं, हालाँकि जो बुराइयाँ उन्होंने कमाई हैं उनकी बदौलत अल्लाह उन्हें उल्टा फेर चुका है	क्या तुम चाहते हो कि जिसे अल्लाह ने हिदायत नहीं बख्शी उसे तुम हिदायत बख्श दो? हालाँकि जिसको अल्लाह ने रास्ते से भटका दिया उसके लिए तुम कोई रास्ता नहीं पा सकते	वे तो यह चाहते हैं कि जिस तरह वे ख़ुद काफ़िर हैं उसी तरह तुम भी काफ़िर हो जाओ ताकि तुम और वे सब यकसाँ हो जाएँ	लिहाज़ा उनमें से किसी को अपना दोस्त न बनाओ जब तक कि वे अल्लाह की राह में हिजरत करके न आ जाएँ, और अगर वे हिजरत से बाज़ रहें तो जहाँ पाओ उन्हें पकड़ो और क़त्ल करो और उनमें से किसी को अपना दोस्त और मददगार न बनाओ	अलबत्ता वे मुनाफ़िक इस हुक्म से मुस्तसना हैं जो किसी ऐसी कौम से जा मिलें जिसके साथ तुम्हारा मुआहिदा है	इसी तरह वे मुनाफ़िक भी मुस्तसना हैं जो तुम्हारे पास आते हैं और लड़ाई से दिलबरदाश्त हैं, न तुमसे लड़ना चाहते हैं न अपनी कौम से	अल्लाह चाहता तो उनको तुमपर मुसल्लत कर देता और वे भी तुमसे लड़ते	लिहाज़ा अगर वे तुमसे किनाराकश हो जाएँ और लड़ने से बाज़ रहें और तुम्हारी तरफ़ सुलह व आशती का हाथ बढ़ाएँ तो अल्लाह ने तुम्हारे लिए उनपर दस्त-दराज़ी की कोई सबील नहीं रखी है	एक और क़िस्म के मुनाफ़िक तुम्हें ऐसे मिलेंगे जो चाहते हैं कि तुमसे भी अमन में रहें और अपनी कौम से भी, मगर जब कभी फितने का मौक़ा पाएँगे उसमें कूद पड़ेंगे	ऐसे लोग अगर तुम्हारे

distance from you nor cease their and neither offer you peace, hostilities against you, seize them and kill them wherever you find them. In their case, We give you clear authority.	मुक़ाबले से बाज़ न रहें और सुलह व सलामती तुम्हारे आगे पेश न करें और अपने हाथ न रोकें तो जहाँ वे मिलें उन्हें पकड़ो और मारो, उनपर हाथ उठाने के लिए हमने तुम्हें खुली हुज्ज़त दे दी है।
Tafsir	